परिशिस्ट - ख

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम. एम. हिंदी

(जून - २००९ - २०१०, २०१० - २०११ तथा २०११ - २०१२ के शैक्षणिक वर्षों के लिए)

भाग-१

प्रश्नपत्र -१ आधुनिक हिंदी काव्य (मुख्य तथा गौण-दोनों के लिए)

१. मैथिलीशरण गुप्त - साकेत (नवम् सर्ग)

२. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- तुलसी दास

३. सुमित्रानंदन पंत - ग्राम्या

(१) ग्राम युवती

(२) ग्रामनारी

(३) वे आँखे

(६) भारतमाता

(४) ग्राम वधू

(५) ग्राम श्री

(७) संध्या के बाद

(८) नारी

(९) मजदूरनी

(१०) उदबोधन

(११) वाणी

४. धर्मवीर भारती - कनुप्रिया (प्रकाशक - भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)

५. हरिवशराय बच्चन - मधुशाला

६. धूमिल - संसद से सडक तक

अंक विभाजनः

३ आलोचनात्मक प्रश्न (४२ अंक)

१ प्रश्न टिप्पणियों का (१४ अंक)

१ ससंदर्भ व्याख्यात्मक (१४ अंक) ।

संदर्भ-पुस्तकें-

१. प्रसाद का काव्य - डॉ. प्रेमशंकर

२. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन -डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

३. धर्मवीर भारती से साक्षात्कार रांपा. पुष्पा भारती

४. धर्मवीर भारती की साहित्य - साधना - रांपा. पुष्पा भारती

५. निराला और मुक्तिबोधः चार लम्बी कविताएँ - नंदकिशोर नवल

६. जटिल संवेदना के कवि मुक्तिबोध - डॉ. आलोक गुप्ता

७. मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना - नंदकिशोर नवल

८. अज्ञेय का काल्य - एक पुनर्मूल्यांकन - शंभुनाथ चतुर्वेदी

९. अज्ञेय - एक अध्ययन - डॉ. भोलाभाई पटेल

१०. निराला डॉ. रामविलाश शर्मा.

११. कलि निराला - नंददुलारे वाजपेयी

१२. नयी कविता के प्रतिमान लक्ष्मीकांत वर्मा

१३. मुक्तिबोध की कविताई - अशोक चक्रधर

१४. अंधेरे में एक विशलेषण डॉ. विजयपाल सिंह

१५. मुक्तिबोधः कविता व जीवन - बोध - चंद्रकांत देवताले

१६. प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर

१७. अन्तकरण का आगतन दूघनाथ सिंह

१८. मुक्तिबोधः एका अवधूत कविता नरेश मेहता

१९. ज्यशंकर प्रसाद - आ. नंददुलारे वाजपेयी

२०. सुमित्रानंदन पंत-आनंद प्रकाश दीक्षित

२१. पंत की काव्य भाषा डॉ. कांता पंत

२२. अज्ञेयः कवि और काव्य - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

२३. नई कविता - डॉ. देवराज

२४. नई कविताः निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध - आलोचना - विद्या सिंहा

२५. समकालीन हिंदी कविताः अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में - शशि शर्मा

२६. मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब - चंचल चोहान
२७. अंधेरे में: एक विश्लेषण - डॉ. विजयपाल सिंह

अथवा

प्रश्नपत्र -१ छायावाद (मुख्य और गौण - दोंनो के लिए)

१. प्रसाद - आँसू (प्रकाशक - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

२. निरालाा- राग-विराग (प्रकाशक राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

३. पंत- पल्लव (प्रकाशक - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली) १.पल्लव २.मोह ३.मौन निमंत्रण ४.वसतश्री ५.स्वपन ६.निर्झरता ७.शिशु ८.बादल ९.विश्व व्याप्ति १०.निशा छवि ११.याचना

४. महादेवी वर्मा- निहार (प्रकाशक लोकभारती, इलाहाबाद)

५. माखनलाल चतुर्वेदी - आज के लोकप्रिय हिंदी कवि किन्तु..., अगर निशानी, मील का पत्थर, धीमे धीमे, घर मेरा है, गीत की कोमल कडो, जवानी, कैदी और कोकिला, युग-पुरुष तथा विद्रोह कविताएँ)

६. रामकुमार वर्मा- आधुनिक कवि - एक लव्य

अंक विभाजन:

३ आलोचनात्मक प्रश्न (४२ अंक)
१ प्रश्न टिप्पणियों का (१४ अंक)
१ ससंदर्भ व्याख्यात्मक (१४ अंक) ।

संदर्भ-पुस्तकें-

१. छायावाद डॉ. नागवर सिंह
२. निराला डॉ. रामविलाश शर्मा
३. निराला काव्य का अध्ययन भगीरथ मिश्र
४. महादेवी शृजन और शिला- डॉ. रणजीत सिंह
५. माखनलाल चतुर्वेदी एक अध्ययन श्री नर्मदा प्रसाद खरे
६. माखनलाल चतुर्वेदी -यात्रा पुरुष - रां. श्रीकांत जोशी
७. महीयशी महादेवी गंगाप्रसाद पांडेय

८. सुमित्रा नंदन पंत -आनंद प्रकाश दीक्षित

९. पंत की काव्य-भाषा - डॉ. कांता पंत

१०. डॉ. राजकुमार वर्मा अभिनंदन ग्रंथ - संपा. डॉ. जगदीश गुप्त

११. महादेवी (मूल्यांकन)- डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

१२. महादेवी का नया मूल्यांकन - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

१३. महादेवीः नया मूल्यांकन - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

१४. निराला - डॉ. इन्द्रनाथ गदान

१५. जयशंकर प्रसाद - आ. नंददुलारे वाजपेयी

प्रश्नपत्र -२ प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य

१. संदेश रासक - अब्दुल रहेमान सं.या. ह. द्विवेदी तथा विश्वनाथ त्रिपाठी

२. कबीर वडवी पियुष सं. पारसनाथ तिवारी

३. जायसी- पद्मावत, संपा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागमती विरह तथा सिंहल द्वीप खण्ड)

४. मीराँबाई - पदावली

५. तुलसीदास - कवितावली - लालाभगवान दीन

६. घनानंद-कवित, संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (१ से २५ कवित)

व्याखात्मक तथा आलोचनात्मक प्रश्न उपर्युक्त पाठयविषय में से पूछे जाएँगे ।

अंक विभाजनः

३ आलोचनात्मक प्रश्न (४२ अंक)

१ प्रश्न टिप्पणियों का (१४ अंक)

१ ससंदर्भ व्याख्यात्मक (१४ अंक) ।

संदर्भ - पुस्तकें-

१. कबीर डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

२. चंदबरदाई और उनका काव्य - डॉ. बिपिनबिहारी त्रिवेदी

३. पृथ्वीराज रासो - भाषा और साहित्य - डॉ. नागवर सिंह

४. कबीर रांपा. विजयेन्द्र खातक

५. तुलसी - संपा. उदयभानु सिंह

६. तुलसी की साधना - आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र

७. गोरस्वामी तुलसीदास - आचार्य रागचंद्र शुक्ल

८. कबीर के आलोचक डॉ. धर्मवीर

९. धनानंद और ख्यानंद काव्य - डॉ. मनोहर गौड

१०. धनानंद का काव्य - डॉ. रामदेव शुक्ल

११. धनानंद का काव्य शिला डॉ. लखनपाल सिंह

१२. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा- डॉ. पीताम्बर दत्त बडथ्वाल

१३. भ्रमरगीत सार - डॉ. हरिशरण शर्मा

१४. सूर और उनका साहित्य - डॉ. हरवंशलाल शर्मा

१५. सूरदाश और भ्रमरगीत - डॉ. किशोरीलाल शर्मा

१६. हिंदी के प्राचीन कवि डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

१७. सूर का भ्रमरगीत -एव अन्वेषण - विश्वंभरनाथ उपाध्याय

१८. भारतीय प्रेमाख्यान काव्य- डॉ. हरिकांत श्री वास्तव

१९. हिंदी साहित्य का आदिकाल - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

२०. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रागचंद्र शुक्ल

२१. महाकावि सूरदास - डॉ. नंददुलारे वाजपेयी

२२. सूर साहित्य डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

२३. रीति काव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र

२४. हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल - रीतिकाल - डॉ. महेन्द्र कुमार

२५. महाकवि जायसी ओर उनका काव्य डॉ. इकबाल अहमद

२६. जायसी -एक नई दृष्टि डॉ. रघुवंश

२७. विनयंपत्रिका - संपा. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

२८. तुलसीदास कृत विनयपत्रिका और त्यागराज कीर्तन में भक्ति रस-डॉ.लीला ज्योति

२९. कबीरः एक नई दृष्टि डॉ. रघुवंश

३०. पृथ्वीराज रासउ-रांपा. डॉ. माताप्रसाद गुप्त

३१. विनयपत्रिका और नये विधान का तुलनात्मक अध्ययन - फादर कामिल बुल्के

प्रश्नपत्र -३ काव्यशास्त्र एवम् साहित्यालोचन

(क) संस्कृत काव्य शास्त्र काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य प्रयोजन, काल्य के प्रकार।

१. रस-सिद्धांत - रस का स्वरूप, रस-निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण, सदृश्य की अवधारणा।

२. अलंकार -सिद्धांत -गूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

३. रीति-सिद्धांत-रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवम् शैली, रीति- सिद्धांत की प्रमुख भावनाएँ।

४. वक्रोक्ति - सिद्धांत -वक्रोक्ति की उपधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवम् अभिप्यंजनावाद।

५. ध्वनि- सिद्धांत - ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि - सिद्धांत की स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।

६. औचित्य - काव्य - प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

(ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र।

१. प्लेटो- काव्य सिद्धांत।

२. अररतू - अनुकरण - सिद्धांत।

३. लोंजाइनस उदात की अवधारणा ।

४. ड्राइडन के काव्य - सिद्धांत।

५. वर्ड्सवर्थ काव्य भाषा का सिद्धांत।

६. कॉलरिज - कल्पना- सिद्धांत और ललित - कल्पना।

७. मैथ्यू आर्नल्ड - आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।

८. टो. एस. इलियट - परंपरा की परिकल्पना और लैयक्तिकता का सिद्धांत, वरतुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

९. आई. ए. रिचर्ड्स -रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यवहारिक आलोचना ।

१०. सिद्धांत और वाद - अभिजात्मवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद।

११. आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ- संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर - आधुनिकतावाद ।

(ग) हिंदी कवि - आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन - लक्षण - काव्य- परंपरा एवम् कवि -शिक्षा ।

(घ) व्यावहारिक समीक्षा - किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा ।

अंक विभाजनः

२ आलोचनात्मक प्रश्न संस्कृत काव्यशास्त्र से (२८ अंक)

१ आलोचनात्मक प्रश्न पाश्चात्य रो (१४ अंक)

१ आलोचनात्मक प्रश्न हिंदी काव्यशास्त्र से (१४ अंक)

१ प्रश्न व्यवहारिक समीक्षा से (१४ अंक)

संदर्भ - पुस्तकें-

१. अरस्तू का काव्यशास्त्र- डॉ. नगे. द्र

२. काव्य में उदात - तत्व - डॉ. महेन्द्र चतुर्वेदी

३. उदात के बारे में - डॉ. निर्मला जैन

४. समीक्षा लोक - भगीरथ दीक्षित

५. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र

६. अभिनव का रस विवेचन नगीनदास पारेख

७. रस सिद्धांत डॉ. नगेन्द्र

८. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा डॉ. नगेन्द्र

९. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा - डॉ. नगेन्द्र

१०. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ. भगीरथ मिश्र

११. साहित्य के पमुख पक्ष - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

१२. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना - डॉ. शशिभूषण पांडेय

१३. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - रांपा. निर्मला जैन, कुसुम बॉठिया

१४. कार्ल मार्क्स कला और साहित्य चिंतन -संपा. डॉ. नागवर सिंह

१५. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

१६. उत्तर आधुनिकता सुधीश पचौरी

१७. उत्तर आधुनिकता कुछ विचार संपा. देव शंकर नवीन तथा मिश्र

१८. देरिदा का विखंडन और साहित्य सुधीश पचौरी

१९. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. अशोक के शाह

२०. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. अशोक के शाह

२१. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर गवल

२२. सौदर्यशास्त्र के तत्तव डॉ. कुमार विमल

२३. सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा -एस.टी. नरसिंहाचारी

२४. शास्त्रवादी और स्वच्छंदतावादी साहित्यदर्श और समीक्षा - प्रणली-पी. वारावदता

२५. उत्तर आधुनिकः साहित्यिक विगर्श - सुधीश पचौरी

प्रश्नपत्र -४ प्रयोजन मूलक हिंदी (एन्टायर)

खण्ड क - कामकाजी हिंदी

१. हिंदी के विभिन्न रूप- सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा,मातृभाषा ।

२. कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य- प्रारूपण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण ।

३. पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवम् महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धांत ।

४. ज्ञान- विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली ।

५. हिंदी कंप्यूटिंग- कंप्यूटर- परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र वेब पब्लिशिंग का परिचय ।

६. इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र वेब पब्लिशिंग का परिचय ।

८. लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना प्राप्त करना, हिंदी क् प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिंदी शॉपटवेयर, पैकेज ।

खण्ट ख - पत्रकारिता

१. पत्रकारिता - स्वरूप एवम् विभिन्न प्रकार

२. हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास

३. समाचार लेखन कला

४. संपादन के आधारभूत तत्व

५. व्यावहारिक प्रूफ शोधन

६. शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवम् शीर्षक - संपादन

७. संपादकीय - लेखन

८. पृष्ठ राज्जा

९. साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवम् प्रेरा - प्रबंधन

१०. प्रमुख प्रेरा कानून एवम् आचार रांहिता

खण्ड ग - मीडिया लेखन

१. जनसंचार - प्रौद्योगिकी एवम् चुनौतियाँ ।

२. विभिन्न जनरांवर माध्यमों का स्वरूप - मुद्रण, श्रव्य इंटरनेट ।

३. श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा का प्रकृति, समाचार - लेखन एवम् वाचन, रेडियो नाटक ।

उदघोषणा लेखन, विज्ञापन - लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज ।

४. दृश्य श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवम् श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पाश्व वाचन (वायस ओवर) ।

पटकथा - लेखन, टेली-ड्रागा डॉक्यू ड्रागा, संवाद - लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में

रूपांतरण विज्ञपन की भाषा ।

५. इंटरनेट - सामग्री शृजन.

घ- अनुवाद - सिद्धांत एवम् व्यवहार

१. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवम् प्रविधि ।

२. हिंदी की पयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका ।

३. कार्यालयी हिंदी और अनुवाद ।

४. व्यावहारिक - अनुवाद - अभ्सारा - गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में ।

५. कार्यालयी अनुवाद - कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली, प्रषासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग ।

६. पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजो, प्रतिवेदनों कें अनुवाद ।

७. सारानुवाद

अंक विभाजन

४ आलोचनात्मक प्रश्न - ५६ अंक (प्रत्येक खण्ड से एक एक)

१ प्रश्न अनुवाद या प्रशासनिक शब्द पर आधारित (१४ अंक) ।

सदर्भ- पुस्तकें-

१. प्रशासनिक एवग् कार्यालयी हिंदी - डॉ. रागप्रकाश एवग् डॉ. दिनेशकुमार

२. कार्यालयीय हिंदी - डॉ. विजयपाल सिंह

३. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग विजयकुमार मल्होत्रा

४. कंम्पटर और हिंदी - डॉ. हरिमोहन

५. राजभाषा हिंदी स्वरूप - कैलाशचंद्र भाटिया

६. राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया

७. बेशिक प्रोग्रामिंग - ओमप्रकाश मौर्य

८. कंम्प्यूटर डॉ.सी.एल.गर्ग

९. आधुनिक जन संचार और हिंदी डॉ. हरिगोहन

१०. संपादन कला एवग् प्रूफ पठन - डॉ. हरिमोहन

११. पत्रकारिता - सिद्धांत और व्यवहार - इंद्र चेद्र रजवार

१२. हिंदीं पत्रकारिता - सिद्धांत और स्वरूप - सविता चड्ढा

१३. नई पत्रकारिता और समाचार - लेखन - सविता चड्ढा

१४. संपादन - कला - डॉ. हरिमोहन

१५. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - डॉ. हरिमोहन

१६. आधुनिक विज्ञपन और जन संपर्क - डॉ. तारेश भाटिया

१७. समाचार फीचर लेखन एवग् संपादन कला -- डॉ. हरिमोहन

१८. ब्रेक के बाद सुधीश पचौरी

१९. पटकथा - लेखन एक परिचय मनोहर श्याग जोशी

२०. व्यावहारिक अनुवाद डॉ. एन. ई. विश्वनाथ ऐयर

२१. अनुवाद विज्ञन डॉ. भोलानाथ तिवारी

२२. अनुवाद बोध डॉ. मार्गी गुप्त

२३. अनुवाद प्रक्रिया डॉ. रातरानी पालीवाल

२४. पत्रकारिता में अनुवाद की रागरचाएँ-डॉ. भोलानाथ तिवारी

२५. दूरदर्शन की भूमिका - सुधीश पचौरी

२६. टी.वी. टाइम्स - सुधीश पचौरी

२७. जगसंचार - विविध आयाग - ब्रजमोहन गुप्त

२८. मीडिया और साहित्य - सुधीश पचौरी

एम.ए. हिंदी

(जून - २००९ - २०१०, २०१० - २०११ तथा २०११ - २०१२ के शैक्षिक वर्षों के लिए)

भाग-२

प्रश्नपत्र - ५ आधुनिक गद्य साहित्य (मुख्य तथा गौण - दोनों के लिए)

१. जनमे जयका नाग यज्ञ - जयशंकर प्रसाद

२. आठवा सर्ग - सुरेन्द्रवर्मा

३. मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु (राजकमल प्रकाशन)

४. अल्मा कबूतरी- मैत्रयी पुष्पा(राजकमल प्रकाशन,दिल्ली)

५. अशोक के फूल - हजारी प्रसाद द्विवेदी

६. एक दुनिया : समानान्तर - संपा. राजेन्द्र यादव (प्रकाशक- राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली) में से अमरकांत, कमलेश्वर, निर्मल वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, मोहन राकेश तथा राजेन्द्र यादव की कहानियों का अध्ययन !

व्याख्यात्मक तथा आलोचनात्मक प्रश्न उपयुक्त पाठयविषयों से पूछे जाएँगे ।

अंक विभाजन

३ आलोचनात्मक प्रश्न (४२ अंक)

१ प्रश्न टिप्पणियों का (१४ अंक)

१ ससंदर्भ व्याख्यात्मक (१४ अंक)

संदर्भ पुस्तकें-

१. प्रसाद के नाटक-स्वरूप और संरचना -डॉ. गोविंद चातक

२. प्रसाद की नाटय कला डॉ. सुजाता बिष्ट

३. प्रसादोतरकालीन नाटक -डॉ. भूपेन्द्र कलसी

४. स्वातंत्र्यतर हिंदी नाटक -डॉ. रामजन्म शर्मा

५. हिंदी के आँचलिक उपन्यास संपा. डॉ. रामदरश मिश्र

६. कहानी-नई कहानी -डॉ. नागवर सिंह

७. हिंदी उपन्यास -डॉ. सुरेश सिंहा

८. हिंदी कहानी अंतरंग पहचान डॉ. रागदरश मिश्र

९. हिंदी कहानी - अस्मिता की तलाश - मधुरेश

१० कथान्दोलन - रेखा सेठी

११. निबंध और निबंधकार-डॉ. गंगाप्रसाद गुप्ता

१२. निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल - डॉ. जयनाथ नलिन

१३. नई कहानी -संदर्भ और प्रवृति- डॉ. देवीप्रसाद अवरथी

१४. भीष्म साहनी-व्यक्ति और रचना-राजेश्वर सक्सेना

१५. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - डॉ. इंद्रनाथ मदान

१६. हिंदी उपन्यास - एक अंतर्यासा -डॉ. रामदरश मिश्र

१७. नई कहानी और अमरकांत निर्मल सिंहल

१८. हिंदी नाटक - डॉ. बच्चन सिंह

१९. नाटककार जयशंकर प्रसाद रां. सत्येन्द्र कुमार तनेजा

२०. नाटककार जगदीशचंन्द्र माथुर - गोविन्द चातक

२१. अठारह उपन्यास - राजेन्द्र यादव

अथवा

प्रश्नपत्र -५ हिंदी उपन्यास (मुख्य और गौण - दोनों के लिए)

१. रंगभूमि- प्रेमचंद्र

२. मृगनयनी - वृन्दावनलालवर्मा

३. नदी के द्वीप - अज्ञेय

४. सूरज का सातवाँ घोडा - धर्मवीर भारती

५. अन्यसे अनन्याया - प्रभाखेतान - (राजकमल प्रकाशन)

६. पचपन खंभे लालदिवारें - उषा प्रियंवदा (राजकमल प्रकाशन)

अंक विभाजन

३. अलोचनात्मक प्रश्न (४२ अंक)

१. प्रश्न टिप्पणियों का (१४ अंक)

१. ससंदर्भ व्याख्यात्मक (१४ अंक)

संदर्भ-पुस्तकें -

१. आज का हिंदी उपन्यास डॉ. इंद्रनाथ मदान

२. हिंदी उपन्यास - एक अंतयात्रा - डॉ. रामदरश मिश्र

३. हिदी उपन्यास -डॉ. सुषमा गुप्ता

४. हिंदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ. शशिभुषण सिंहल

५. हिंदी उपन्यास उपलब्धियाँ- डॉ. लक्ष्मी सागर ताष्णेय

६. हिंदी साहित्य का वैज्ञनिक इतिहास -डॉ. गणपतिचंन्द्र गुप्त

७. स्वतंत्रता परवर्ती हिंदीउपन्यास -डॉ. प्रेमकुमार

८. इलाचन्द्र जोशी का कथा -साहित्य -डॉ. जे. हरिकुमार

९. प्रेमचंदः एक विवेचन -डॉ. इन्द्रनाथ मदान

१०. निर्मल वर्मा - संपा-अशोक वाजपेयी

११. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास -डॉ. इन्द्रनाथ मदान

१२. श्रीलाल शुक्ल की दुनिया - संपा. अखिलेश

१३. प्रेमचंदः उर्दू हिंदी कथाकार -डॉ. जाफर रजा

१४. प्रेमचंदः परिचर्चा - कल्याणमल लोढा

१५. निर्मल वर्मा और उपनिवेशवाद -सुधीश पचौरी

१६. प्रेमचंद-एक अध्ययन -डॉ. राजेश्वर गुरू

१७. प्रेमचंदः एक अध्ययन -डॉ. रामरतन भटनागर

१८. प्रेमचंद-डॉ. गंगाप्रसाद विमल

१९. भीष्म साहनीःव्यक्ति और रचना - राजेश्वर सक्सेना, प्रताप ठाकुर

२०. भीष्म साहनीः उपन्यास साहित्य-विवेक द्विवेदी

२१. निर्मल वर्माः अंर्तयात्रा -संपा. नंदकिशोर नवल

२२. निर्मल वर्माः अवलोकन-संपा. नंदकिशोर नवल

२३. प्रेमचंदः विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र

२४. गोदानःसंवेदना और शिल्प -डॉ. चंद्रेश्वर कर्ण

प्रश्नपत्र -६ भाषा - विज्ञन एवम् हिंदी भाषा

(क) भाषा विज्ञन

१. भाषा और भाषा - विज्ञन - भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा -व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक - प्रकार्य. भाषा-विज्ञन-स्वरूप एवम् परिभाषा अध्ययन की दिशाँए ।

२. स्वनप्रक्रिया - स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागववय और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन के कारण

३. व्याकरण - रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद-मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन-संरचना और बाह्य-संरचना ।

४. अर्थविज्ञान - अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थपरिवर्तन ।

५. साहित्य और भाषा-विज्ञान-साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता ।

(ख) हिंदी भाषा-

१. हिंदी की एतिहासिक पृष्ठभूमि - प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ-पालि, प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और वर्गीकरण ।

२. भाषा की उत्पत्ति और विकास- भाषा की उत्पत्ति, भाषा परिवर्तन के कारण

३. हिंदी का भाषिक स्वरूप- हिंदी की स्वनिम व्यवस्था, खंडय, खंडयेतर. हिंदी शब्द रचना- उपसर्ग, प्रत्यय, समास. रूपरचना- लिंग, वचन और कारक- व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञ, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप. हिंदी वाक्य-रचना- पदक्रम और अन्विति ।

४. हिंदी के विविध रूप- संपर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा हिन्दी की समस्याएँ और समाधान, माध्यम भाषा, संचारभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम-भाषा, संचार -भाषा, हिंदी की सांविधानिक स्थिति ।

५. हिंदी में कंप्यूटर सूविधाएँ- आंकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण ।

६. देवनागरी लिपि- देव नागरी नामकरण, विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ ।

अंक-विभाजन-

२ आलोचनात्मक प्रश्न भाषा विज्ञन से (२८ अंक)
२ आलोचनात्मक प्रश्न हिंदी भाषा से (२८ अंक)
१ प्रश्न टिप्पणियों का (१४ अंक) ।

संदर्भ-पुस्तकें-

१. भाषा-विज्ञन- डॉ. भोलानाथ तिवारी
२. भाषा-विज्ञन की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा
३. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास -डॉ. उदयनारायण तिवारी
४. हिंदी भाषा का इतिहास डॉ. भोलानाथ तिवारी
५. हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ. भोलानाथ तिवारी
६. सामान्य भाषा-विज्ञन -डॉ. बाबूराम सक्सेना
७. हिंदी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरू
८. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजयकुमार मलहोत्रा
९. कंप्यूटर और हिंदी-डॉ. हरिमोहन
१०. प्रशासन में राजभाषा हिंदी -डॉ. कैलाशचंन्द्र भाटिया
११. रामसामयिक भाषा -विज्ञन -डॉ. कविता रस्तोगी
१२. हिंदी भाषा, व्याकरण और निबंध रचना -डॉ. हरिशचंन्द्र पाठक
१३. हिंदी व्याकरण मीगांसा - काशीराम शर्मा
१४. भाषा विज्ञन-सैद्धांतिक चिंतन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
१५. हिंदी भाषा-स्वरूप और विकास- कैलाशचंद्र भाटिया
१६. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया
१७. आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध -डॉ. रामविलास शर्मा

१८. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन

१९. सरल भाषा विज्ञन -डॉ. अशोक के शाह

२०. हिंदी भाषा और भाषा विज्ञन - डॉ. अशोक के शाह

२१. ग्रामीण हिंदी डॉ. धीरिन्द्र वर्मा

२२. पालि भाषा और साहित्य - इंद्रचंद्र शास्त्री

२३. अपभ्रंश भाषा और व्याकरण - शिवसहाय पाठक

प्रश्नपत्र-७ हिंदी साहित्य का इतिहास

१. इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास

२. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ ।

३. हिंदी साहित्य का इतिहास- काल - विभाजन, सीमा- निर्धारण औरनामकरण ।

४. हिंदी साहित्य- आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो-काव्य, जैन-साहित्य ।

५. हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृष्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ ।

६. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृति-चेतना एवम् भक्ति-आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनका वैशिष्टय ।

७. प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान ।

८. भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवम् लोक-जीवन के तत्व ।

९. राम और कृष्ण-काव्य, राम-कृष्ण-काव्येतर काव्य, भक्तितर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्टय, भक्तिकालीन गद्य-साहित्य ।

१०. उतर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध,

रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य ।

११. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवम् सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् १८५७ ई. की राजक्रांति और पुनर्जागरण ।

१२. भारतेन्दु-युग-प्रमुका साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।

१३. द्विवेदी-युग-प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यक विशेषताएँ ।

१४. हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम-विकास, छायावादी काव्य-प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।

१५. उत्तर छायावादी काव्य की विविंध प्रवृत्तियाँ-प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता. प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।

१६. हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपार्ताज आदि) का विकास ।

१७. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास ।

१८. दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय ।

१९. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय .

२०. हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य ।

अंक विभाजन

४ आलोचनात्मक प्रश्न (५६ अंक)

१ प्रश्न टिप्पणियों का (१४ अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

१. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

२. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ. नगेन्द्र

३. साहित्य और साहित्य दृष्टि-मैनेजर पांडेय

४. साहित्य का इतिहास दर्शन-नलिन विलोचन शर्मा

५. हिंदी साहित्य का वैज्ञनिक इतिहास-डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

६. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग-डॉ. नागवर सिंह

७. पुरानी हिंदी इचंन्द्रधर शर्मा गुलेरी

८. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल

९. हिंदी साहित्य का अतीत-भाग- १-२-आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

१०. दक्खिनी हिंदी -भाषा और साहित्य -डॉ.वी.पी. मुहम्मद

११. हिंदी का गद्य-साहित्य -डॉ. रामचंद्र तिवारी

१२. हिंदी गद्य का विकास -डॉ. प्रसाद

१३. गोरिशस में हिंदी साहित्य का उदभव और विकास-डॉ.श्यामधर तिवारी

१४. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डॉ. इकबाल अहमद

१५. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ. जयकिसन प्रसाद खंडेलवाल

१६. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ. बच्चन सिंह

१७. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास -डॉ. लक्ष्मीसागर वाष्णेय

१८. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-प्रो. एहतेशाम हुसैन

प्रश्नपत्र -८ भारतीय साहित्य (एन्टायर)

प्रथम खण्ड

१. भारतीय साहित्य का स्वरूप

२. भारतीय साहित्यके अध्ययन की समस्याएँ

३. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब

४. भारतीयता का समाजशास्त्र

५. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

६. तुलनात्मक साहित्यः सामान्य परिचय

द्वितीय खण्ड

पाठय-पुस्तकें:

१. यातायती (उपन्यास) - वि.ष आडेकर

२. गणदेवता (बंगाली) - तारा शंकर - बंदौपाध्याय

३. पाटन का प्रभुत्व (गुजराती उपन्यास) (पाटन की प्रभुता) क.मा.मुनसी

४. कटपुतली का विद्रोह (कन्नड-नाटक) अमन प्रकाशन मथुरा डॉ. एस.पी. पद्मप्रसाद

५. श्रीराधा -रमाकांत रथ (उडिया काव्य) प्रकाशक-भारतीय ज्ञनपीठ, नई दिल्ली

अंक विभाजन

१ आलोचनात्मक प्रश्न- १४ अंक (खण्ड एक से)

२ आलोचनात्मक प्रश्न- ४२ अंक (खण्ड द्वितीय से)

१ पश्न टिप्पणियों का (१४ अंक) ।

संदर्भ-पुस्तकें-

१. भारतीय साहित्य-डॉ. नगेन्द्र

२. मराठी साहित्य-परिदृश्य-चंद्रकांत बांदिवडेकर

३. हिंदी मराठी नाटकों में नारी-वसुधा जोशी

४. भारतीय साहित्य की भूमिका-डॉ. रागविलाश शर्मा

५. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रघुवीर चौधरी का सृजन-संपा. आलोक गुप्त

६. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा

७. मराठी साहित्य-परिदृश्य-चन्द्रकांत बांदिवडेकर

८. भारतीय उपन्यासः कथासार-प्रभाकर माचवे

९. भारतीय उपन्यास परंपरा और ग्रामकेन्द्री उपन्यास-भोलाभाई पटेल

१०. भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार -डॉ. रणवीर रांग्रा

११. भारतीय वाड्मय-डॉ. नगेन्द्र

१२. तुलनात्मक अध्ययनः भारतीय भाषाएँ और साहित्य-राजमल बोरा

१३. तुलनात्मक अध्ययनः भारतीय भाषाएँ और साहित्य-राजमल बोरा

१४. भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय -कृष्णलाल हंस

१५. मराठी साहित्य का इतिहास -डॉ. एन.एस. रणसुभे

१६. तुलनात्मक साहित्य-एन.ई. विश्वनाथ अय्यर